

खबर संक्षेप

कृषि आदानों की जांच होगी फंसलेस और पारदर्शी

जयपुर @ पदमावत मीडिया। राजस्थान सरकार ने बीज, उर्वरक और कीटनाशकों की गुणवत्ता जांच को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए कृषि विभाग और भारतीय डाक विभाग के बीच समझौता ज्ञापन किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप शुरू की गई इस पहल के तहत नमूना संग्रहण से लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण और परिणाम जारी करने तक की प्रक्रिया डिजिटल होगी। इसकी खासियत यह है कि नमूना लेने वाले निरीक्षक को संबंधित प्रयोगशाला और प्रयोगशाला को डीलर या निमाता की पहचान की जानकारी नहीं होगी। नई व्यवस्था में मोबाइल ऐप से नमूनों की जीपीएस आधारित जियो-टैगिंग, उत्पाद की तस्वीरें और जरूरी दस्तावेज दर्ज किए जाएंगे। प्रत्येक नमूने के लिए व्हाट्सएप कोड बनाया जाएगा तथा टैम्पर-प्रूफ पैकिंग की जाएगी। प्रयोगशालाओं का ऑनलाइन सिस्टम के माध्यम से रैंडम आधार पर होगा। भारतीय डाक विभाग स्पीड पोस्ट और बिजनेस पोस्ट सेंटर सेवाओं से नमूनों को अधिकृत प्रयोगशालाओं तक सुरक्षित पहुंचाएगा। नमूनों की ट्रैकिंग भी की जा सकेगी। यह समझौता तीन वर्ष के लिए किया गया है और इसमें डाक विभाग की ओर से बुक नाउ पे लेटर सुविधा भी मिलेगी। कृषि आयुक्त नरेश कुमार गायल ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक और कीटनाशक किसानों की उत्पादकता एवं आय के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस पहल से नकली और अमानक कृषि आदानों की पहचान, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई तथा ईमानदार निमाताओं और विक्रेताओं को निष्पक्ष अवसर देने में मदद मिलेगी। समझौते के अवसर पर भारतीय डाक विभाग के सहायक पोस्ट मास्टर जनरल सुभाष चन्द मीणा सहित दोनों विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विधानसभा क्षेत्र-158

डूंगरपुर के बीएलओ एवं सुपरवाइजर को शत-प्रतिशत पंजीयन के निर्देश

डूंगरपुर @ पदमावत मीडिया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र-158 डूंगरपुर में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर के निर्देशन में विधानसभा क्षेत्र-158 डूंगरपुर के समस्त सुपरवाइजर एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को 26 अक्टूबर 2026 को अपने-अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के अनुसार शिविरों के माध्यम से 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे पात्र युवाओं, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुआ है, तथा नए पात्र मतदाताओं का पंजीयन सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान के दौरान पात्र युवाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिकाधिक पात्र युवाओं का पंजीयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 26 अक्टूबर 2026 को विधानसभा क्षेत्र-158 डूंगरपुर के समस्त बीएलओ एवं सुपरवाइजर को उनके विद्यालय, संस्था अथवा कार्यालय से पूरे दिवस की शिथिलता प्रदान की गई है, ताकि वे शिविरों में उपस्थित रहकर मतदाता पंजीयन संबंधी कार्य प्रभावी ढंग से संपादित कर सकें।

जिले में शांतिपूर्ण वार्ड पंच-सरपंच चुनाव संपन्न

डूंगरपुर @ पदमावत मीडिया। पंचायती राज आम चुनाव 2026 के प्रथम चरण के अंतर्गत शांतिपूर्ण वार्ड पंच एवं सरपंच के चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुए। जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के द्वारा सुचारु, शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भय मुक्त चुनाव पूर्ण करवाने हेतु कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए। सांख्यिकी विभाग से प्राप्त अंतिम आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 82.39 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। पंचायत समिति भंडारी में 90.00 प्रतिशत, चिखली में 89.56, गलियाकोट में 81.57, झौथरी में 83.50, पाड़वा में 73.00, सांगवाड़ा में 73.76 तथा सीमलवाड़ा में 85.35 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इस तरह जिले में कुल 82.39 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

खाटूश्यामजी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुना मन की बात कार्यक्रम, कार्यकर्ताओं से किया संवाद

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

व्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

सीकर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सीकर जिले के खाटूश्यामजी में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 139वां एपिसोड सुना। इसके बाद कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान को चार महत्वपूर्ण जल समझौतों की सौगात मिली है। राज्य सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने, बिजली उत्पादन बढ़ाने, युवाओं को रोजगार देने और प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सीकर जिले में लगभग 7 हजार करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्यों को गति दी जा रही है, वहीं शेखावाटी क्षेत्र की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षित करने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम कर रही हैं। राजस्थान फसलों, दलहन, तिलहन और फलों के उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए सरकार प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना को बढ़ावा दे रही है। इससे वोकल फॉर लोकल का संकल्प साकार होने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए दूध प्रसंस्करण इकाइयों की क्षमता में भी वृद्धि की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मध्यप्रदेश के साथ ईआरसीपी को लेकर समझौता हुआ है, जिस पर तेजी से काम चल रहा है। इसी प्रकार शेखावाटी क्षेत्र के लिए हरियाणा के साथ यमुना जल समझौता किया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में इस समझौते को रद्द करने की बात कही थी। मुख्यमंत्री के अनुसार, इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी शामिल थे।



मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा श्याम की कृपा से यमुना जल समझौते के तहत हंसियावास में 800 करोड़ रुपये की लागत से रिजर्वीयर बनाया जा रहा है। इसके अलावा चार राज्यों के बीच नर्मदा जल समझौता हुआ है और शेखावाटी सहित अन्य क्षेत्रों के लिए किसानों परियोजना को लेकर भी समझौता संपन्न हुआ है। इन परियोजनाओं से शेखावाटी सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि सोम-कमला-अम्बा, देवास और ब्राह्मणी नदी परियोजनाओं पर भी काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने की बात कहते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस क्षेत्र में 10 लाख सदस्य जोड़े हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना है। उनके अनुसार, राज्य सरकार ने द्वाइ साल में पिछली कांग्रेस सरकार की तुलना में तीन गुना अधिक बिजली उत्पादन किया है, जिससे प्रदेश में पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता मिली है। उन्होंने



बताया कि डबल इंजन सरकार कोटपुतली-किशनगढ़ और बीकानेर-कोटपुतली एक्सप्रेस-वे का निर्माण कर रही है। इन मार्गों के बनने से शेखावाटी क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्गों से बेहतर तरीके से जुड़ेगा। इससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, किसानों को लाभ होगा और पर्यटन क्षेत्र को भी मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी की पुरानी और ऐतिहासिक हवेलियां क्षेत्र के पर्यटन और विकास की बड़ी ताकत हैं। राज्य सरकार क्षेत्र की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षित करने और सहेजने का काम कर रही है। इसी उद्देश्य से हेरिटेज टूरिज्म सर्किट विकसित करने के लिए 8 दिसंबर को शेखावाटी में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रवासी राजस्थानी भी शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के सहयोग से कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अंतर्गत 61 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीकर जिले के समग्र विकास के लिए लगभग 7 हजार करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं, जिनसे क्षेत्र के आधारभूत ढांचे और विकास को गति मिलेगी।

ईवीएम का द्वितीय रेंडमाइजेशन जिला स्तर पर संपन्न

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूबर। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनेद पी.पी. की अध्यक्षता में रविवार यह प्रक्रिया कलेक्ट्रेट सभागार में तृतीय चरण के मतदान के लिए ईवीएम का द्वितीय प्रावधानों के अनुसार यह प्रक्रिया राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई।

द्वितीय रेंडमाइजेशन के माध्यम से तृतीय चरण के मतदान के लिए जिला परिषद एवं पंचायत समितियों के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों हेतु ईवीएम का आवंटन किया गया। इसका उद्देश्य निर्धारित



प्रक्रिया के अनुरूप ईवीएम का रेंडम आवंटन सुनिश्चित करने के साथ निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखना है।

इस दौरान आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा निर्धारित सांफ्टवेयर एवं नियमों के अनुसार पूरी प्रक्रिया उनके समक्ष संपन्न कराई गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी मुहम्मद

जुनेद पी.पी. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ईवीएम के परिवहन, भंडारण एवं सुरक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी अपने निर्धारित दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए निर्वाचन संबंधी कार्यों को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराएं। रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश राय सापेला, आरओ सलूबर जगदीश चंद्र बामणिगा, आरओ सेमारी रतन कौर, आरओ लसाडिया नीलम लखारा, एसीपी दीपक धाकड़, पीआरओ पुष्पक मीणा, ईईआरओ भूपेश डोडा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. दिव्यांश जैन के समन्वय में CYT प्रथम बैच का समापन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

अहमदाबाद। पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर निवासी डॉ. दिव्यांश जैन के शैक्षणिक समन्वय में लकुलिश योग विश्वविद्यालय, गुजरात में संचालित सर्टिफिकेट कोर्स इन योग थेरेपी (उठ) के प्रथम बैच का समापन समारोह 24 अक्टूबर को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित हुआ। अगस्त से अक्टूबर 2026 तक चले इस पाठ्यक्रम में 26 विद्यार्थियों ने योग चिकित्सा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। समारोह में गुजरात सरकार के सड़क एवं भवन विभाग के पूर्व सचिव प्रदीपभाई नवलकिशोर जैन, सुरेखा जैन और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.



विवेक माहेश्वरी उपस्थित रहे। कुलपति ने पाठ्यक्रम के सफल संपादन एवं समन्वय के लिए डॉ. दिव्यांश जैन की सराहना की। विद्यार्थियों ने उनके सरल शिक्षण तरीके और सहयोगात्मक व्यवहार की प्रशंसा करते हुए अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में दीप संचिव प्रज्वलन, गीत प्रस्तुति और प्रमाणपत्र वितरण किया गया। मिली तातारिया ने मंच संचालन किया,

जबकि विद्यार्थियों ने गुजराती गरबा प्रस्तुत कर समारोह का यादगार समापन किया। इस अवसर पर डॉ. दिव्यांश जैन ने विद्यार्थियों को योग चिकित्सा से अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने, योग के प्रति जागरूकता फैलाने तथा शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्तिक कृष्ण चतुर्थी और चंद्रमा : करकव्रत की शास्त्रीय एवं लोक-सांस्कृतिक अर्थभूमि

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भारतीय संस्कृति में तिथि केवल कालगणना का साधन नहीं, बल्कि समय को धार्मिक और सांस्कृतिक अर्थ प्रदान करने वाली व्यवस्था भी है। चंद्रमा की कलाओं के साथ पक्षों का परिवर्तन, ऋतुओं के आवर्तन के साथ पर्वों का निर्धारण और निश्चित तिथियों पर संपन्न होने वाले व्रत भारतीय जीवन में प्रकृति और संस्कृति के बीच संवाद स्थापित करते हैं। करवा चौथ इसी संवाद का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। वर्तमान में यह पर्व दोपत्य-मंगल, पति की दीघायु और स्त्रियों की सामूहिक आस्था से जुड़ा है, किंतु इसके शास्त्रीय आधार को पड़ताल हमें ह्दकरवा पक्ष से पहले ह्दकरकव्रतह्द के उल्लेख तक ले जाती है। इस व्रत की संरचना को समझने के लिए चतुर्थी तिथि, चंद्रमा और करक नामक पात्र के पारस्परिक संबंध को समझना आवश्यक है।

तिथि का खगोलीय आधार

भारतीय पंचांग में तिथि का निर्धारण सूर्य और चंद्रमा की भूकेन्द्रीय दीर्घांशों के अंतर से



होता है। सूर्य और चंद्रमा के बीच कोणीय दूरी में प्रत्येक 12 अंश की वृद्धि से एक तिथि बनती है। अमावस्या से पूर्णिमा की ओर बढ़ने वाला शुक्ल पक्ष और पूर्णिमा से अमावस्या की ओर बढ़ने वाला कृष्ण पक्ष इसी गणना के दो क्रम हैं। कृष्ण पक्ष की चतुर्थी के दौरान सूर्य और चंद्रमा के दीर्घांशों का अंतर 216 से 228 अंश के बीच होता है। इस गणना से स्पष्ट होता है कि चतुर्थी का निर्धारण चंद्रमा के उदय अथवा अस्त होने से नहीं, बल्कि सूर्य और चंद्रमा की पारस्परिक खगोलीय स्थिति से होता है। किसी विशेष स्थान

पर चंद्रमा का क्षितिज से ऊपर आना उसका उदय कहलाता है, जबकि तिथि एक खगोलीय अवधि है। दोनों का आपस में संबंध अवश्य है, लेकिन दोनों एक ही अवधारणा नहीं हैं। करवा चौथ की परंपरा में यह अंतर विशेष महत्व रखता है। व्रत की तिथि पंचांग के अनुसार निर्धारित होती है, जबकि चंद्रदर्शन उसकी अनुष्ठानिक प्रक्रिया का निर्णायक क्षण बनता है। इस प्रकार खगोलीय समय और धार्मिक समय एक-दूसरे से जुड़े होने के बावजूद अपनी अलग पहचान बनाए रखते हैं।

करकव्रत का पुराणीय साक्ष्य

नारद पुराण के पूर्वभाग के अध्याय 113 में कार्तिक कृष्ण चतुर्थी के करकव्रत का स्पष्ट उल्लेख मिलता है— चतुर्थ्यां कार्तिके कृष्णे करकाखं व्रतं स्मृतम्। अर्थात् कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को ह्दकरकह्द नामक व्रत कहा गया है। इसके आगे स्त्रियों के लिए स्नान, अलंकरण, गणेश-पूजन, पक्वान्न से भरे करकों का अर्पण, सुहागिन स्त्रियों एवं ब्राह्मणों को भेंट देने और चंद्रमा के उदय पर अर्घ्य प्रदान करने का विधान प्रस्तुत किया गया है। अर्घ्य के बाद

मिथान और पका हुआ अन्न ग्रहण करके व्रत पूर्ण करने का निर्देश भी मिलता है। ग्रंथ में इस व्रत को बारह अथवा सोलह वर्षों तक करने और सौभाग्य की कामना से आजीवन पालन करने के विकल्पों का उल्लेख है। करकव्रत के अध्ययन की दृष्टि से यह विवरण महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें तिथि, पात्र, पूजा, दान और चंद्रदर्शन एक संगठित अनुष्ठानिक संरचना में उपस्थित हैं। हालांकि, इस पाठ को वर्तमान करवा चौथ के सभी रीति-रिवाजों का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं माना जाना चाहिए। इससे एक प्राचीन व्रत-विधान की जानकारी मिलती है, लेकिन उस विधान से वर्तमान लोकपरंपरा तक पहुंचने वाली प्रत्येक ऐतिहासिक कड़ी की पुष्टि के लिए अलग-अलग साक्ष्यों की आवश्यकता है।

चतुर्थी और चंद्रमा : विधान तथा अनुष्ठान

करकव्रत में चतुर्थी तिथि और चंद्रदर्शन की भूमिकाएं परस्पर संबंधित हैं, लेकिन दोनों के कार्य अलग-अलग हैं। चतुर्थी व्रत के समय का निर्धारण करती है, जबकि चंद्रमा का उदय अर्घ्यदान और व्रत-समापन का संकेत बनता है। इस व्यवस्था में आकाशीय घटना धार्मिक क्रिया का अभिन्न अंग बन जाती है। इस संदर्भ में चंद्रमा को दोपत्य-सौभाग्य का प्रतीक मानना एक सांस्कृतिक व्याख्या है।

हालांकि, उपलब्ध पुराणीय विधान यह नहीं बताता कि कृष्ण पक्ष में चंद्रमा की घटती कला के कारण ही चतुर्थी का चयन किया गया था। इसलिए चंद्रमा की क्षीण होती कला को विरह, प्रतीक्षा अथवा पुनः पूर्णता की आकांक्षा से जोड़ना साहित्यिक और प्रतीकात्मक स्तर पर सार्थक हो सकता है, लेकिन इसे व्रत की ऐतिहासिक उत्पत्ति का प्रमाणित कारण नहीं माना जा सकता।

करक से करवा : पात्र और परंपरा

इस व्रत के नाम की व्युत्पत्ति भी भाषावैज्ञानिक दृष्टि से विचारणीय है। संस्कृत में ह्दकरकह्द शब्द का प्रयोग पात्र के अर्थ में मिलता है, जबकि आधुनिक हिंदी में ह्दकरवाह्द मिट्टी से बने एक विशिष्ट पात्र को कहा जाता है। दोनों शब्दों के अर्थक्षेत्र में निकटता दिखाई देती है। नारद पुराण के अनुवाद में करक को जल रखने वाले पात्र के रूप में समझाया गया है। व्रत-विधान में पात्रों में पक्वान्न अथवा जल-दुग्ध आदि रखकर अर्पित करने का उल्लेख भी मिलता है। यह अर्थगत साम्य संस्कृत के करक और हिंदी के करवा के ऐतिहासिक संबंध को पड़ताल का आधार प्रदान करता है, लेकिन अपने आप में उनकी व्युत्पत्ति का निर्णायक प्रमाण नहीं है।

खबर संक्षेप

वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी में समाजसेवियों का स्नेह मिलन

ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी
उदयपुर @ पदमावत मीडिया। नारायण सेवा संस्थान के वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी में रविवार को विभिन्न राज्यों से आए समाजसेवियों का स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुआ। अतिथियों ने संस्थान के सेवा



प्रकल्पों का अवलोकन कर दिव्यांगजनों के उपचार, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। संस्थापक एवं चेयरमैन पद्मश्री कैलाश मानव, सह-संस्थापिका कमला देवी अग्रवाल और निदेशक पलक अग्रवाल ने समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में गुरुग्राम से आनंद प्रकाश, दिल्ली से गोपीचंद सहरावत, नागपुर से अर्चना गुप्ता, आनंद से भूपेंद्र चतुर्भाई पटेल और अहमदाबाद से सुनील जोशी शामिल हुए। कैलाश मानव ने कहा कि दानदाताओं का सहयोग और दिव्यांगजनों का विश्वास संस्थान को निरंतर सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करता है। पलक अग्रवाल ने अतिथियों को संस्थान की चिकित्सा एवं पुनर्वास सेवाओं की जानकारी दी। अतिथियों ने उपचाररत दिव्यांगजनों से संवाद कर उनके संघर्ष और आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को जाना। भूपेंद्र चतुर्भाई पटेल ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

प्रथम चरण के प्रशिक्षण एवं रवानगी में अनुपस्थित 21 कार्मिकों को नोटिस

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। पंचायत आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण में प्रशिक्षण एवं रवानगी के दौरान अनुपस्थित रहे 21 कार्मिकों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) श्री गौरव अग्रवाल के निदेशानुसार अनुपस्थित कार्मिकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्होंने बताया कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्मिक प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीतम कुमार ने द्वितीय एवं तृतीय चरण में नियुक्त कार्मिकों को प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से भाग लेने तथा निर्धारित समय पर रवानगी स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

मतदान दलों के कार्मिक अगले दिन भी चुनाव ड्यूटी पर माने जाएंगे

जयपुर @ पदमावत मीडिया। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 में मतदान दलों के कार्मिकों को मतदान सामग्री जमा करने में देर रात तक लगने वाले समय को देखते हुए अगले दिन भी चुनाव ड्यूटी पर माना जाएगा। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, मतदान समाप्त होने के बाद सामग्री संग्रहण स्थल पर सामग्री जमा कराने वाले कार्मिकों को अगले दिन अपने संबंधित विभाग में उपस्थिति दर्ज कराने की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, इस दिन के लिए उन्हें कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

पूर्व सैनिकों का सम्मान और कल्याण हमारी परंपरा : राज्यपाल

जयपुर @ पदमावत मीडिया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पूर्व सैनिकों का सम्मान और उनका कल्याण हमारी परंपरा और संस्कृति है। पूर्व सैनिक अपने अनुशासन, अनुभव और नेतृत्व क्षमता से सेवानिवृत्ति के बाद भी राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। समाज में एकता, सहयोग और स्थिरता बनाए रखने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वे रविवार को जिला पूर्व सैनिक संघ की ओर से आयोजित जयपुर डिस्ट्रिक्ट एक्स सर्विसेज लीग के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि वन रैंक वन पेंशन योजना सहित विभिन्न प्रयासों से पूर्व सैनिकों के अधिकारों और कल्याण को मजबूती मिली है। राजस्थान में 13 हजार से अधिक पूर्व सैनिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में विधिक सहायता क्लीनिक स्थापित करने की पहल की गई है तथा पूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए कोचिंग सहायता राशि 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये की गई है। उन्होंने पूर्व सैनिकों से युवाओं का मार्गदर्शन करने और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग जैसी सामाजिक चुनौतियों से निपटने में सहयोग देने का आह्वान किया। समारोह में संगठन के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया गया।

विंग्स ओवर गेंजेस का वाराणसी के नमो घाट से जलमहल की पाल पर हुआ सीधा प्रसारण

आमजन ने देखा भारतीय वायुसेना के लड़ाकू, परिवहन एवं हेलीकॉप्टर का हवाई प्रदर्शन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com
जयपुर। भारतीय वायुसेना के 94 वे स्थापना दिवस पर ह्व भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य गणमान्य अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में 100 से अधिक एयरक्राफ्ट्स जिसमें राफेल,तेजस सुखोई 30 एमकेआई, सी 130 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित विंग्स ओवर गेंजेस एरियल डिस्प्ले का रविवार को जयपुर के जलमहल के सामने सीधा प्रसारण किया गया। एयर फोर्स स्टेशन जयपुर के कमांडर ने बताया कि सिविल प्रशासन एवं एयर फोर्स स्टेशन जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय वायुसेना की क्षमताओं को प्रदर्शित करना तथा राष्ट्र की सुरक्षा में उसकी भूमिका के प्रति आमजन में जागरूकता



बढ़ाना था। इसके माध्यम से उपस्थित लोगों को भारतीय वायुसेना की सटीकता, पेशेवर दक्षता एवं परिचालन उत्कृष्टता को देखने का अवसर मिला। कार्यक्रम में आमजन, विशेषकर युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन ने देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने तथा भारतीय वायुसेना के कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के तहत युवाओं को भारतीय वायुसेना में



करियर बनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से स्थल पर वायुसेना की पब्लिसिटी स्टॉल भी स्थापित की गई। युवाओं ने स्टॉल पर पहुंचकर भारतीय वायुसेना में भर्ती की पात्रता, प्रवेश एवं करियर के अवसरों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को वायुसेना में भविष्य तलाशने के लिए प्रेरित करने हेतु पोस्टर, झंडा बुक एवं पेम्फलेट सहित प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया। यह आयोजन सफल रहा तथा इसने सिविल प्रशासन



और वायुसेना के बीच प्रभावी समन्वय एवं जनसहभागिता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम ने आगंतुकों को यादगार अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ युवाओं को भारतीय वायुसेना की गौरवशाली सेवा परंपरा और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान के बारे में जानने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर उत्तर राजेंद्र सिंह सहित एयरफोर्स के कार्मिक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पूर्ण परमात्मा की पहचान सच्चे संत के सत्संग से ही होती है

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

प्राणगढ़। जिले के सामुदायिक भवन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रविवार 25 अक्टूबर को संत रामपाल जी महाराज जी के सानिध्य में एक दिवसीय सत्संग का विशाल आयोजन छपड़के माध्यम से हुआ जिसमें श्रद्धालुओं को जीवन, भक्ति और



पुरुष की आध्यात्मिक व्याख्या बताते हुए परमात्मा के वास्तविक स्वरूप को समझाया।

सत्संग में मानव जीवन के उद्देश्य, सच्ची भक्ति, कर्मों के प्रभाव, नशामुक्त जीवन, देहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति और आपसी भाईचारे जैसे विषयों पर भी ज्ञान दिया गया।

सत्संग में उपस्थित श्रद्धालुओं ने बताया कि संत रामपाल जी महाराज ने सभी धर्मगुरुओं को पवित्र श्रीमद्भगवद् गीता, चारों वेदों और हमारे सभी प्रमाणित शास्त्रों



के आधार पर जन कल्याणकारी ज्ञान चर्चा के लिए सहर्ष सादर आमंत्रित किया हुआ है। यह कार्यक्रम हर शनिवार और रविवार साधना चैनल पर शाम 7:30 से 9:30 तक प्रसारित होता है।

कार्यक्रम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आयोजकों की ओर से निशुल्क पेयजल, चाय और बिस्कुट की व्यवस्था रखी गई। सत्संग में अनेक श्रद्धालु प्रेरित होकर संत जी से नामदीक्षा ली और आजीवन नशा, रिश्वत, पाखंड से दूर रहकर जीवन यापन करने पर सहमत दी।

राज्यपाल ने राजस्थानी फिल्म माँ के प्रदर्शन का किया शुभारंभ

जयपुर @ पदमावत मीडिया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को जयपुर के राजमंदिर सिनेमा हॉल में राजस्थानी फिल्म ह्यामॉह्ल के प्रदर्शन का शुभारंभ किया। उन्होंने फिल्म की ग्रैंड रिलीज को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राजस्थानी केवल भाषा नहीं, बल्कि संस्कृति है। राज्यपाल ने सिनेमा हॉल में बैठकर फिल्म के कुछ अंश भी देखे। इसके बाद उन्होंने फिल्म निमाता और कलाकारों से संवाद कर राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति को बढ़ावा देने की इस पहल की सराहना की।



कारगिल कॉलेज में प्लांट टिश्यू कल्चर तकनीक पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

कारगिल। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (जीडीसी) कारगिल के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से डीबीटी स्टार कॉलेज योजना के तहत 23 और 24 अक्टूबर को प्लांट टिश्यू कल्चर की बुनियादी तकनीकों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को जैव प्रौद्योगिकी, पौधों के संवर्धन और शोध में टिश्यू कल्चर के उपयोग की व्यावहारिक जानकारी देना था। उद्घाटन सत्र में कॉलेज प्राचार्य डॉ. अमजद अली मुख्ख अतिथि रहे, जबकि सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन



बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, पालमपुर के वैज्ञानिक डॉ. विशाल शर्मा ने विशेषज्ञ एवं संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रशिक्षण दिया। पहले दिन पौध उतक संवर्धन के सिद्धांतों, पौधों के संवर्धन एवं संरक्षण में इसकी भूमिका और प्रयोगशाला में पौधों के विकास के लिए पोषक माध्यम तैयार करने की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने कल्चर

मीडिया तैयार करने, उसे निजीवाणुक बनाने और सुरक्षित रखने का व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया। दूसरे दिन भ्रूण, कक्षीय एवं शीर्ष कलिकाओं, बीजपत्रों और पत्तियों से एक्सप्लान्ट निकालने तथा उन्हें कल्चर मीडिया में स्थापित करने की प्रक्रिया सिखाई गई। कार्यशाला में 35 से अधिक स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। आयोजकों ने प्राचार्य डॉ. अमजद अली, विशेषज्ञ डॉ. विशाल शर्मा और डीबीटी स्टार कॉलेज योजना की कार्यक्रम संयोजक डॉ. गरिमा गुप्ता के सहयोग के लिए आभार जताया।

पंचायतीराज आम चुनाव-2026 में प्रचार सामग्री के मुद्रण पर रहेगा नियंत्रण

प्रिंटिंग प्रेस संचालकों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पालना के निर्देश

सलूंवर @ पदमावत मीडिया पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के दौरान निर्वाचन पुस्तिकाओं, पोस्टरों, पर्चों एवं अन्य प्रचार सामग्री के मुद्रण को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं जिला कलेक्टर सलूंवर मुहम्मद जुनेद पी.पी. ने जिले के समस्त मुद्रणालयों एवं प्रिंटिंग प्रेस संचालकों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 127-क के तहत निर्वाचन प्रचार सामग्री के मुद्रण एवं प्रकाशन से संबंधित निर्धारित कानूनी प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा। निर्वाचन प्रचार सामग्री, जैसे पोस्टर, पर्चे, पुस्तिकाएं, बैनर एवं अन्य मुद्रित सामग्री पर मुद्रक तथा प्रकाशक का स्पष्ट नाम और पूरा पता अंकित करना आवश्यक होगा। निर्धारित विवरण के बिना किसी भी प्रकार की निर्वाचन प्रचार सामग्री का मुद्रण नहीं किया जा सकेगा।

घोषणा-पत्र और मुद्रित प्रतियां जमा कराना अनिवार्य
निर्वाचन प्रचार सामग्री का मुद्रण शुरू करने से पहले प्रकाशक से निर्धारित प्रारूप में हस्ताक्षरित घोषणा-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मुद्रण कार्य पूरा होने के बाद निर्धारित समयावधि में घोषणा-पत्र की प्रत के साथ मुद्रित सामग्री की चार अतिरिक्त प्रतियां जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला मजिस्ट्रेट), सलूंवर के कार्यालय में प्रस्तुत करनी होंगी। इसके साथ मुद्रित प्रतियों की संख्या तथा मुद्रण के लिए ली गई राशि का विवरण भी देना होगा।

आपत्तिजनक सामग्री के मुद्रण पर प्रतिबंध
निर्देशों के अनुसार, ऐसी किसी भी सामग्री का मुद्रण नहीं किया जाएगा, जो अवैध, मानहानिकारक या आपत्तिजनक हो अथवा धर्म, जाति, समुदाय या भाषा के आधार पर वैमनस्य फैलाती हो। इसी प्रकार, किसी अभ्यर्थी या व्यक्ति के चरित्र हनन से संबंधित सामग्री के मुद्रण से भी बचना होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 127-क के प्रावधानों का उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के समस्त प्रिंटिंग प्रेस संचालकों से निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने में सहयोग करने के अपील की है।

उपाधियों का अर्थ एवं मेरी कर्मभूमि : शिक्षाविद् भावना वैष्णव

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भौनमाल। विप्र फाउंडेशन द्वारा प्रदत्त सम्मान प्राप्त करने के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए भावना वैष्णव ने कहा कि आधुनिक युग की गार्मी-मैत्रेयी सहस्र विदुषी शिक्षिका, संस्कार साधिका एवं साहित्य सरस्वती सम्मान मेरे लिए गार्मी-मैत्रेयी सदृश विदुषी शिक्षिका होना ज्ञान, तार्किकता, विवेक और प्रश्नशीलता की भारतीय परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प है। मेरा प्रयास रहा है कि बच्चे केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि सही-गलत, उचित-अनुचित और अच्छे-बुरे में अंतर समझते हुए स्वतंत्र चिंतन करना भी सीखें। आधुनिक नवाचारों के साथ उनमें संस्कार, आत्मविश्वास और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो। संस्कार साधिका के रूप में शिक्षण, नृत्य और मंच संचालन के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, मयादा, आत्मविश्वास और जीवन-मूल्यों को विकसित करना मेरी साधना रही है, ताकि वे केवल मंच पर ही नहीं, बल्कि



जीवन के हर मंच पर विवेक और संस्कारों के साथ आगे बढ़ें। नागरिक कल्याण मंच के अध्यक्ष माणकमल भंडारी ने बताया कि भावना वैष्णव ने अपने सम्मान को किस रूप में

देखा है। साहित्य सरस्वती की भावना मेरी लेखनी, रचनाओं तथा स्तंभ-आलेखों में जीवंत होती है। अपराजिता, युवा पीढ़ी के नाम संदेश, ह्यश्रवण कुमार मत बने तुम, ह्यजीवन अनमोल है, माँ की ममता, अंधड़ में दीप, बच्चों की करुण पुकार, ह्यपत्थर हृदय द्रवित कब होंगे, ह्ययुवा पीढ़ी और नशे की लत (लील रहा जीवन), ह्यमौन रुदन और मन का मर्म जैसी रचनाओं के माध्यम से मैंने पारिवारिक संवेदनाओं, माता-पिता की उपेक्षा, युवा पीढ़ी की चुनौतियों, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और सामाजिक विसंगतियों को स्वर देने का प्रयास किया है। मेरी लेखनी का उद्देश्य केवल भावनाओं को अभिव्यक्त करना नहीं, बल्कि पाठकों को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करना, समाज की विसंगतियों के प्रति जागरूक करना और मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशील बनाना भी है। मेरे स्तंभ और आलेख आधुनिकता तथा संस्कारों के बीच एक जीवंत सेतु हैं, जो नई पीढ़ी को नवाचार अपनाने, प्रश्न करने, विवेक से निर्णय लेने और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देते हैं। मेरी भावना रही है कि शिक्षा ज्ञानवान बनाए, साहित्य संवेदनशील बनाए और संस्कार मनुष्य को सच्चे अर्थों में

मानवीय बनाएँ। साहित्यिक साधना और सृजन के प्रति समर्पण की परंपरा में सम्मानों का अपना विशिष्ट स्थान है। के. के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा 1991 में स्थापित सरस्वती सम्मान भारतीय साहित्य के प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है। इसके प्रथम प्राप्तकर्ता के रूप में कवि हरिवंश राय बच्चन का नाम उल्लेखनीय है, जिन्हें उनकी आत्मकथात्मक कृति हृदशब्द से सोपान तकल्ल के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया था। यह संदर्भ स्मरण कराता है कि साहित्य का वास्तविक मूल्य उसकी संवेदना, विचारों की गहराई और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव में निहित है। मेरे लिए भी 2 अक्टूबर को विप्र फाउंडेशन द्वारा प्राप्त आधुनिक युग की गार्मी-मैत्रेयी सदृश विदुषी शिक्षिका, संस्कार साधिका एवं साहित्य सरस्वती सम्मान केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि अपनी कर्मभूमि के प्रति जिम्मेदारियों को और अधिक निष्ठा से निभाने की प्रेरणा है। भावना वैष्णव जो एक शिक्षिका होने के साथ साहित्य एवं कला में भी रुचि रखती हैं। यही मेरी कर्मभूमि, यही मेरी लेखनी का उद्देश्य और यही मेरी सतत साधना है, सम्मान नहीं, समर्पण मेरा ध्येय है।

खबर संक्षेप

चितौड़गढ़ से उदयपुर होते हुए मुंबई दादर तक ट्रेन चलाने की मांग

सांसद सीपी जोशी को सोंपा ज्ञापन

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। चितौड़गढ़ से उदयपुर होते हुए मुंबई के दादर तक ट्रेन संचालन शुरू करने की माँग को लेकर उदयपुर के डबोक एयरपोर्ट पर चितौड़गढ़ के



लोकप्रिय सांसद सीपी जोशी को मुंबई परिवहन संघर्ष समिति के अध्यक्ष मोहन लाल जैन कावा द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर मुंबई राजस्थान परिवहन संघर्ष समिति अध्यक्ष मोहन लाल जैन कावा तथा मेवाड़ एकता फाउंडेशन के अध्यक्ष जीवन सिंघवी सहित संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रतिनिधि मंडल ने चितौड़गढ़, उदयपुर और मुंबई के बीच रेल संपर्क बेहतर बनाने के उद्देश्य से इस रेल सेवा को शुरू करने की मांग रखी। चितौड़गढ़ से उदयपुर होते हुए मुंबई दादर तक ट्रेन सेवा शुरू होने से मुंबई और आस पास के क्षेत्रों में रहने वाले प्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस मांग के पर सांसद महोदय ने जगजित मुद्दे को रेल सेवा मंत्रालय तक पहुंचाकर सकारात्मक पहल करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ट्रांजिट यात्रा 26 को

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा सोमवार को उदयपुर की ट्रांजिट विजिट पर रहेंगे। मुख्यमंत्री सोमवार सुबह 7:50 बजे विशेष विमान से महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक पहुंचेंगे। यहां से हैलीकॉप्टर द्वारा आबूरोड़ पहुंच ब्रह्मकुमारीज शान्तिवन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे पुनः उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचकर हैलीकॉप्टर द्वारा बांसवाडा जिले के खमेरा पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। अपराह्न 3:30 बजे मुख्यमंत्री उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचकर विशेष विमान से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस : पूंजी बाजार, स्मॉल-कैप निवेश और संपत्ति निर्माण के अवसरों पर विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) की वित्तीय बाजार एवं निवेशक जागरूकता समिति के तत्वावधान में आईसीएआई उदयपुर शाखा की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ह्याचाणक्य-निवेश की नीतिह्म का रविवार को रामी रॉयल रिजॉर्ट में समापन हुआ। ह्यप्राचीन बुद्धिमत्ता, आधुनिक बाजारह्म विषय पर आयोजित सम्मेलन में देशभर से आए वित्तीय विशेषज्ञों ने पूंजी बाजार के बदलते स्वरूप, निवेश की आधुनिक रणनीतियों, संपत्ति निर्माण के अवसरों और निवेशकों के व्यवहार सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। आईसीएआई उदयपुर शाखा के अध्यक्ष सीए चिराग धर्मावत ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं वित्तीय क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को पूंजी बाजार के बदलते परिदृश्य, निवेश के नए विकल्पों और आधुनिक निवेश रणनीतियों से अवगत कराना था। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वित्तीय बाजार की कार्यप्रणाली को समझने के साथ निवेश संबंधी निर्णयों, जोखिम प्रबंधन और दीर्घकालीन संपत्ति निर्माण की रणनीतियों का ज्ञान होना आवश्यक है। ऐसे सम्मेलन पेशेवरों के ज्ञान को समृद्ध करने और विशेषज्ञों के अनुभवों से सीखने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। सम्मेलन के दूसरे दिन चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विशेषज्ञों ने निवेश के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। पहले तकनीकी सत्र में मुंबई स्थित इक्विट्री कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील काबरा ने ह्याअस्ति आवंटन की रूपरेखा एवं पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं की रणनीतियांह्म विषय पर विचार रखे। उन्होंने निवेश पोर्टफोलियो में विभिन्न परिसंपत्तियों के संतुलित आवंटन और पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं की रणनीतियों के महत्व को समझाया। दूसरे सत्र में मुंबई स्थित प्रहस कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी के संस्थापक सचिन जैन ने ह्यानिवेश में बौद्धिक क्षमता से अधिक महत्वपूर्ण है सही मानसिकताह्म विषय पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि निवेश में केवल ज्ञान और विश्लेषण ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि धैर्य, भावनात्मक संतुलन, अनुशासन और सही मानसिकता भी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महाराणा भूपाल पूर्व छात्र परिषद ने मनाया 16वाँ स्थापना दिवस

वार्षिक समारोह में वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और स्वास्थ्य जागरूकता पर हुआ विशेष सत्र

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

उदयपुर। महाराणा भूपाल पूर्व छात्र परिषद का 16वाँ स्थापना दिवस विवेकानंद सभागार, साईंस कॉलेज में समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित हुआ। प्रथम सत्र में परिषद की मासिक बैठक तथा द्वितीय सत्र में जीवन रथ वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मासिक बैठक में गतिविधियों की समीक्षा

प्रथम सत्र में परिषद की मासिक बैठक हुई, जिसमें डॉ. आर. के. गर्ग ने गत माह की कार्यवाही एवं गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे सदस्यों ने अनुमोदित किया। अक्टूबर माह में जन्मदिन मनाने वाले सदस्यों का सम्मान कर उनके दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामना की गई। इसके बाद सदस्यों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कर्नल अभय लोढ़ा ने मुझे दुनिया वालों शराबी न समझो, शिवा तलेसरा ने ये रात ये चांदनी फिर कहाँ तथा रविंद्र भटनागर ने पोंछ कर अश्क अपनी आँखों के प्रस्तुत कर वातावरण को संगीतमय बना दिया। प्रो. डॉ. विमल शर्मा ने अपनी स्वरचित कविता मधुशाला—एक जीवन दर्शन प्रस्तुत की। स्नेहलता लोढ़ा ने प्रेरक कविता सुनाई व रेणु भंडारी ने वाक चातुर्य का रोचक किस्सा सुनाया।



जीवन रथ वार्षिक समारोह में वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान द्वितीय सत्र के जीवन रथ वार्षिक कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जे. के. छापरवाल ने की, जबकि मुख्य अतिथि सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. कैलाश डागा थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रचलन एवं निवेदिता बक्सी द्वारा वंदना से हुआ। स्वागत उद्बोधन गिरधारी लाल शर्मा ने दिया। महासचिव शांतिलाल भंडारी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए परिषद की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष परिषद ने वरिष्ठतम आयुष सम्मान की नई परंपरा शुरू की है, जिसके अंतर्गत 92 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में 80 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले 7 सदस्यों को अग्रज सम्मान, 90 वर्ष के 2 सदस्यों को वरिष्ठ अग्रज सम्मान तथा 92 वर्ष से अधिक आयु वाले 4 सदस्यों को



वरिष्ठतम आयुष सम्मान प्रदान किया गया। परिषद के गुरुजनों के प्रति सम्मान की परंपरा के तहत प्रो. एस. एस. सेठी को गुरु सम्मान उनके निवास पर जाकर प्रदान किया जाएगा। अनुभवों और साहित्य-संगीत की रही रंगारंग प्रस्तुति समारोह में एन. के. बंसल ने वरिष्ठ नागरिक दिवस से जुड़े अपने विचार रखे, जबकि एम. पी. जैन ने जीवन में सफलता के अनुभव साझा किए। आविद अदीब ने अपनी स्वरचित गजल महकशों की महफिल में दुश्मनी नहीं होगी सुनाकर वाहवाही प्राप्त की। संजीव भारद्वाज ने दोस्त दोस्त न रहा गीत प्रस्तुत किया। डॉ. के. एल. कोठारी ने एम.बी. कॉलेज पर अपनी कविता प्रस्तुत कर पुरानी स्मृतियों को जीवंत कर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. कैलाश डागा ने सुखाड़िया विश्वविद्यालय की नई एल्युमिनी संस्था मानस के बारे में जानकारी देते हुए आगामी दिसंबर में आयोजित होने वाले

भव्य आयोजन की रूपरेखा बताई। उन्होंने वृद्ध और वृद्धा पर आधारित रोचक कविता भी प्रस्तुत की तथा उपस्थित सदस्यों को हास्य योग कराया।

स्वस्थ एवं शतायु जीवन के लिए दिए उपयोगी सूत्र

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. जे. के. छापरवाल ने शतायु जीवन के लिए स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल तथा पेट की अतिरिक्त चर्बी को नियंत्रित रखने पर जोर दिया। उन्होंने भोजन में अत्यधिक चीनी, नमक और अधिक तली वस्तुओं के सेवन से बचने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि वैचारिक एवं राजनीतिक मतभेदों के बावजूद सामाजिक संबंधों और मानवीय सौहार्द को बनाए रखना चाहिए। इसी संदर्भ में उन्होंने उदाहरण दिया कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद मोहनलाल सुखाड़िया की जन्मपत्नी भानुकुमार शास्त्री जी बनाया करते थे, जो उस दौर के सामाजिक सौहार्द का उदाहरण है। अंत में डॉ. आर. के. गर्ग ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रकाश तातेड के सफल संचालन में आयोजित इस समारोह ने पूर्व छात्रों के बीच आत्मीयता, पुरानी स्मृतियों, साहित्य-संगीत और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान की भावना को और मजबूत किया। राष्ट्र गान एवं स्नेह भोज से कार्यक्रम का समापन हुआ।

ग्राम पंचायत नाई: प्रमोद कोठारी बने उप सरपंच, गंगाराम गमेती के सरपंच बनने के बाद पंचायत को मिला नया नेतृत्व

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

नाई (उदयपुर)। ग्राम पंचायत नाई में पंचायती राज चुनाव प्रक्रिया के तहत प्रमोद कोठारी को उप सरपंच चुना गया है। इससे पूर्व पंचायत में सरपंच पद पर गंगाराम गमेती ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। प्रमोद कोठारी के उप सरपंच पद पर निर्वाचित होते ही ग्रामवासियों और समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला। उप सरपंच चुने जाने के बाद ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रमोद कोठारी को साफ व फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि नवनिर्वाचित सरपंच गंगाराम गमेती और उप सरपंच प्रमोद कोठारी की यह नई जोड़ी मिलकर गांव में



बुनियादी सुविधाओं, सड़क, पानी, शिक्षा और समग्र विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाएगी। इस अवसर पर नवनिर्वाचित उप सरपंच प्रमोद कोठारी ने सभी वार्ड पंचों, ग्रामीणों और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंचायत क्षेत्र का सर्वांगीण विकास और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी।

अम्बे वाहिनी ने किया 1100 कन्याओं का पूजन, कन्या शक्ति और संस्कारों का दिया संदेश

3 दिसंबर को मां आशापुरा एवं मां कालिका माता मंदिर की होगी प्राण प्रतिष्ठा

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

उदयपुर। मां आशापुरा संगठन की मातृशक्ति अम्बे वाहिनी की ओर से परशुराम चौराहा स्थित कालेश्वर ग्रीन गार्डन में 1100 कन्याओं का भव्य पूजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति, समाजजन एवं धर्मप्रमियों ने भाग लिया। माता रानी के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राधे कुंज कामधेनु गौशाला के प्रवीण सिंह चौहान ने कन्याओं को माता रानी का स्वरूप बताते हुए उनके सम्मान, सुरक्षा और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बेटियां परिवार और समाज की शान हैं। कन्याओं का सम्मान करना सनातन संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपरा है। प्रत्येक परिवार को बेटियों को अच्छी शिक्षा, संस्कार और आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने चाहिए। उन्होंने समाजजनों से बेटियों के सम्मान एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने



और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मां आशापुरा संगठन की ओर से आगामी 3 दिसंबर 2026 को बड़ी स्थित ग्रेटर कैलाश नगर में नवनिर्मित मां आशापुरा एवं मां कालिका माता मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पोस्टर का विमोचन किया गया। संगठन ने सभी धर्मप्रमियों, मातृशक्ति एवं शहरवासियों से प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सहभागी बनने और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की। मां आशापुरा संगठन मातृशक्ति अम्बे वाहिनी का यह आयोजन धार्मिक अनुष्ठान के साथ बेटियों के सम्मान, नारी शक्ति के महत्व, सनातन संस्कृति के संरक्षण और सामाजिक एकता का संदेश देने वाला रहा।

स्काउटिंग के रंग, अनुशासन और दिशा ज्ञान का अनूठा संगम: उदयपुर में राज्य स्तरीय प्रेसीडेंट अवार्ड गाइड प्रमाण पत्र जांच शिविर का दूसरा दिन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

उदयपुर। भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में मंडल प्रशिक्षण केंद्र उदयनिवास में आयोजित राज्य स्तरीय प्रेसीडेंट अवार्ड गाइड प्रमाण पत्र जांच शिविर के दूसरे दिन स्काउटिंग की सच्ची भावना और साहसिक कौशल का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला। पाँच दिवसीय शिविर में अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर, टोंक, जोधपुर, जालोर, पाली, उदयपुर, बाड़मेर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, राजसमंद और चित्तौड़गढ़ सहित विभिन्न जिलों से 161 गाइड्स स्काउटिंग के सर्वोच्च शिखर राष्ट्रपति अवार्ड को पाने के लिए अपनी कला और निपुणता को परख रही हैं। सी ओ गाइड अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि प्रातःकालीन



वंदना और स्काउटिंग अनुशासन शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत स्काउटिंग परंपरा के अनुसार ऊजावार्न बी.पी. व्यायाम से हुई। इसके उपरांत, पायनिशरिंग और कैप क्राफ्ट की भावना को परखने के लिए गाइड्स के टेंट, हट, लेआउट और उनकी संपूर्ण टर्नआउट यूनिफॉर्म का बारीकी से निरीक्षण किया गया। नागौर जिले की गाइड्स द्वारा पारंपरिक और गरिमापूर्ण ढंग से ध्वजारोहण किया गया। प्रकृति के बीच स्काउटिंग कौशल: बिना कंपास और मोबाइल के दिशा ज्ञान की रोमांचक परीक्षा

स्काउट-गाइडिंग का मुख्य उद्देश्य विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मनिर्भर बनना है। इसी उद्देश्य के तहत शिविर में एक बेहद रोचक और महत्वपूर्ण प्रायोगिक परीक्षा ली गई- बिना कंपास और बिना मोबाइल फोन के दिन व रात में दिशाओं का ज्ञान कैसे प्राप्त किया जाता है? गाइड्स ने ध्रुव तारे, सूर्य की स्थिति, प्रकृति के संकेतों और छाया विधि का उपयोग करते हुए सटीक दिशा ज्ञान का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। इसके साथ ही, राष्ट्रपति अवार्ड के निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप गाइड्स की लिखित, मौखिक और प्रायोगिक परीक्षाएँ भी ली गईं, जिनमें अनुमान लगाने, प्राथमिक सहायता, और संकट के समय काम आने वाली विभिन्न प्रकार की गति लगाने के परीक्षण शामिल रहे। शिविर संचालिका कल्पना शर्मा (सीओ गाइड, भरतपुर) ने कहा कि स्काउटिंग केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। आज बिना गैजेट्स के दिशा ज्ञान और प्राथमिक सहायता जैसी परीक्षाओं में बालिकाओं का प्रदर्शन यह

साबित करता है कि वे हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। मुख्य परीक्षक विमला खाती (एनएचक्यू ट्रेनर) ने मूल्यांकन के दौरान कहा, लिखित, मौखिक और प्रायोगिक तीनों आयामों में गाइड्स का अनुशासन और उनकी स्काउटिंग स्किल्स अत्यंत सशहनीय रही हैं। यही दक्षता उन्हें राष्ट्रपति अवार्ड के सही मायने में योग्य बनाती है।

सहयोग एवं कुशल प्रबंधन

परीक्षक वंदना पांडे (उत्तर प्रदेश) के साथ अंजना भारतीय, निक्किता यादव, रेखा शर्मा (सीओ गाइड, प्रतापगढ़), अंजना शर्मा, अंजलि चौहान एवं झिलमवती परीक्षण व मूल्यांकन के कार्यों में पूरा सहयोग दे रही हैं। वहीं सहायक राज्य संगठन आयुक्त मनमोहन स्वर्णकार मंडल के नेतृत्व में यह शिविर का आयोजन किया जा रहा है। विशाल गुप्ता शिविर के सफल, अनुशासित और सुचारू संचालन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।